

मार्च तक भारत करेगा 15 लाख टन शुगर का एक्सपोर्ट



[जयश्री भोसले, पुणे]

ब्राजील, यूरोप और थाईलैंड अपने शुगर प्रॉडक्शन एक्टिवेट को कम कर रहे हैं, वहीं रुपये में गिरावट के चलते महाराष्ट्र की शुगर इंडस्ट्री मार्च तक 15 लाख शुगर एक्सपोर्ट करने की तैयारी में जुट गई है। अगले दो साल में भारत की 90 लाख टन शुगर एक्सपोर्ट करने की योजना है, जिसके चलते केंद्र सरकार ने हर हफ्ते शुगर एक्सपोर्ट की समीक्षा करने का फैसला किया है।

केंद्र 2018-19 में 50 लाख टन शुगर एक्सपोर्ट करने के लिए मिल-वाइज कोटा देगा और गन्ने पर ₹138 प्रति टन का इंसेंटिव भी बढ़ाया जाएगा। सरकार शुगर एक्सपोर्ट पर टॉक्सपोर्ट सब्सिडी भी देगी। शुगर एक्सपोर्ट पर मिलने वाली कुल सब्सिडी प्रति किलो शुगर पर ₹11 तक होगी। पिछले शनिवार को मुंबई में महाराष्ट्र के सभी मिलर्स, मर्चेट ट्रेडर्स के साथ केंद्र सरकार के अधिकारियों की मीटिंग हुई। यह मीटिंग तीन घंटों तक चली। इसमें सबूत के

- केंद्र 2018-19 में 50 लाख टन शुगर एक्सपोर्ट के लिए मिल-वाइज कोटा देगा और गन्ने पर ₹138 प्रति टन का इंसेंटिव भी बढ़ाया जाएगा
- शुगर एक्सपोर्ट पर मिलने वाली कुल सब्सिडी प्रति किलो शुगर पर ₹11 तक होगी
- आला अधिकारियों की एक समिति हर शुक्रवार को 4 बजे शुगर एक्सपोर्ट की समीक्षा करेगी

शुगर इंडस्ट्री के लीडर माने जाने वाले नेता शरद पवार ने मिलों से इस सुनहरे मौके को दोनों हाथों से लपकने को कहा। नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश नायकनवार ने

कहा, 'अभी हमें शुगर एक्सपोर्ट के लिए बड़े पैमाने पर कंटेनर साइन किए जाने की उम्मीद है। यह तय किया गया था कि सरकारी प्रतिनिधिमंडल थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्राजील और चीन के मार्केट्स में संभावनाएं तलाशने के लिए वहां का दौरा करेगा।

पारंपरिक रूप से इन मार्केट्स को सप्लाय ब्राजील और थाईलैंड से होती रही है। आला अधिकारियों की एक समिति हर शुक्रवार को 4 बजे शुगर एक्सपोर्ट की समीक्षा करेगी। इंडस्ट्री स्टैकहोल्डर्स आश्वस्त हैं कि भारत 2005-06 के 29 लाख शुगर एक्सपोर्ट के आंकड़े को इस बार पीछे छोड़ देगा। नायकनवार ने कहा, 'ब्राजील और थाईलैंड ने अपने प्रॉडक्शन एक्टिवेट में अच्छी-खासी कमी की है, जिससे भारत के लिए शुगर एक्सपोर्ट का सुनहरा मौका हाथ लगा है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया मार्च के बाद एक्सपोर्ट मार्केट में उतरेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार पूरी तरह से भारत के लिए खुला हुआ है।'

Esqmanuel Times

15/10/2018

✓ R